NT>
Title: Need to provide lecturership to the talented students passed All India Examination conducted by UGC and CSIR.

श्री राजो सिंह (बेगूसराय) : सभापति महोदय, मैं अति लोक महत्व का विषय सदन के सामने रखना चाहता हूं।

मैं आपके माध्यम से शिक्षा जगत की विडंबनाओं से इस सदन को अवगत कराना चाहता हूं। शिक्षा जैसे पवित्र कार्य को विवादों के घेरे में लाया जा रहा है। वंदे मातरम् और राष्ट्रगान जैसी पवित्र पंक्तियों को राजनीतिक लाभ के लिए प्रयुक्त किया जा रहा है। ऐसे समय में शिक्षा जगत की एक भीषण समस्या की ओर किसी का ध्यान नहीं है। सरकार प्रत्येक वर्ष यूजीसी तथा सीएसआईआर के माध्यम से लेक्चररशिप और जूनियर रिसर्च फैलोशिप की अखिल भारतीय परीक्षाएं आयोजित करती है। इन परीक्षाओं से चुने गए मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। पांच वर्षों तक इन छात्रों पर भारी रकम खर्च की जाती है, उसके बाद उन्हें किसी योग्य नहीं समझा जाता। मेधावी छात्र फिर सड़क पर आ जाते हैं और लेक्चररशिप की तलाश में गली-गली धक्के खाते हैं। उन्हें १९९२ से पूर्व पीएच.डी. करने वालों और राज्य स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में चुने गए विद्यार्थियों के साथ-साथ इंटरव्यू में जाकर परेशानी और हताशा का सामना करना पड़ता है। वहां भी राज्य वालों को तरजीह दी जाती है। कितनी बड़ी विडंबना है कि जो छात्र या छात्रा सरकार की नज़र में पूरे भारत में सर्वोत्तम है और उन पर करोड़ों रुपया खर्च हो रहा है, अंततः उनकी प्रतिभा का कोई उपयोग नहीं हो रहा है। सरकार को चाहिए कि कुछ वर्षों के लिए ये परीक्षाएं रोक दें और जिन छात्रों को यह उत्तम घोषित कर चुकी है, उन्हें सर्वप्रथम प्रवक्ता बनने का मौका दें ताकि सरकार द्वारा किये गये मूल्यांकन और उन पर किये गये खर्च का सही उपयोग हो सके, वरना देश की शिक्षा व्यवस्था की दिशाहीनता पूरी नौजवान पीढ़ी को अनिश्चितता के अंधेरे में ढकेल देगी।

श्री राम टहल चौधरी (रांची) : सभापति महोदय, वनांचल का मामला बहुत गंभीर है। इस पर बोलने का मौका दें।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Even senior Members behave like this! What to do?

... (Interruptions)

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): You can tell your Government...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Will you please hear me for a moment? I am on my legs.

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Shri Prabhunath Singh, please sit down. For a moment, kindly hear me.

For raising matters during `Zero Hour', when the hon. Members give notices, time is marked and according to the time marked, it is listed. I am only going to call the Members according to the seniority of the time when they have given the notices. I just cannot overtake some and then give preference to some other Members. Please cooperate with me. I am only going to call the Members according to the list drawn by the hon. Speaker. I am not giving any special preference to anybody. Everybody will get the chance provided we keep the House in order.

Now, Shri Chaman Lal Gupta to speak.